breakthrough

लिंग भेद व लिंग चयन के खिलाफ ब्रेकथ्रू का अभियान ' मिशन हजार '

महिला व पुरुष बाइकर्स ने लिंग भेद व लिंग चयन के खिलाफ लोगों को किया जागरुक

10 हजार स्कूल और कॉलेज के बच्चों के साथ किए गये सर्वे की रिपोर्ट भी की पेश

मिशन हजार को मिला केन्द्र सरकार का समर्थन,बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में ब्रेकथ्रू के विज्ञापन का किया प्रयोग

रोहतक,22 फरवरी 2015,हमारे आस-पास जितनी अधिक महिलाएं होगीं यह दुनिया उनके लिए उतनी ही बेहतर होगी इस संदेश के साथ स्वंयसेवी संस्था **ब्रेकथ्रू** ने रविवार को बाइक रैली के माध्यम से लिंग भेद व लिंग चयन खिलाफ आवाज बुलंद की। रैली को प्रसिद्ध महिला बाइकर शबनम अकरम झंडा दिखा कर रवाना किया। '**मिशन हजार**' कैंपेन के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में महिला बाइकर्स का ग्रुप **बाइकरनी** और पुरूष बाइकर्स का ग्रुफ **फ्रीसोल** शामिल हुआ। यह बाइक रैली दिल्ली कुतुब इंड्रस्ट्रियल एरिया से शुरू होकर धौला कुआं,पंजाबी बाग,बहादुरगड़ होते हुए रोहतक में शीला बाईपास से डीसी ऑफिस होती हुई छोटू राम स्टेडियम पर समाप्त हुई।इस मौके पर 1000 गुब्बारे भी हवा में उड़ाए गये।

इस मौके पर छोटूराम स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में ब्रेकथ्रू की वाइस प्रेसीडेंट व कंट्री डायरेक्टर सोनाली खान ने कहा कि मिशन हजार हमारे इस सवाल को जवाब तलाशने की पहल है कि हमारे आस-पास लड़कियां क्यों नही दिखती क्योंकि हमारा मानना है कि हमारे आस-पास जितनी अधिक लड़कियां होंगी यह समाज उतना ही सुरक्षित होगा।इसी को ध्यान में रखते हुए हमने हरियाणा के चार जिलों रोहतक,पानीपत,सोनीपत और झज्जर के स्कूल और कॉलेज के 10 हजार बच्चों के साथ एक सर्वे किया है।

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से साफ दिखता है कि महिलाएं जन्म से लेकर स्कूल-कॉलेज, नौकरी और सार्वजनिक जगहों से गुम है।66 फीसदी लोगों ने यहां की महिलाओं को शाम ढलने के बाद बाहर आते-जाते नही देखा।संगठित क्षेत्र में काम करने के मामले में यहां की महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 11 फीसदी है।परिवारों में भी उनकी संख्या 47 फीसदी ही रह गई है।90 फीसदी अभिभावक लड़को को लड़कियों की अपेक्षा अधिक महत्व देते हैं। इस सर्वे से साफ नजर आता है कि इसके पीछे हमारी परंपरागत सोच काम करती है कि लड़कियां हमारे बुढ़ापे का सहारा नही हैं,वो पराया धन हैं।बाहर

माहौल उनके लिए सुरक्षित नही है इसलिए उनको जन्म नही लेना चाहिये और अगर जन्म ले लिया है तो भी उन्हें अपनी इच्छा से रहने का अधिकार नही है।

उन्होंने कहा कि इस तस्वीर को बदलने के लिए **मिशन हजार** अभियान भी इस दिशा में उठाया गया एक कदम है। उम्मीद है कि आप सब हमारे अभियान का हिस्सा बनेगें और हरियाणा को एक ऐसा प्रदेश बनाएंगे जो आधी आबादी के साथ लिंग के आधार पर भेद नही करता है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के महिला व बाल विकास मंत्रालय ने भी ब्रेकथ्रू के मिशन हजार कैंपेन के विज्ञापनों को भी बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ में अपनाया है।इसके साथ ही मंत्रालय ने ब्रेकथ्रू की लिंग भेद व लिंग चयन मुद्दे पर ब्रेकथ्रू द्वारा किए गए काम को भी अपने ब्रोशर में अपनाया है।

इस मौके पर डिप्टी डायरेक्ट कार्यक्रम लिंग भेद व लिंग चयन, वीनू कक्कड़ ने कहा कि मिशन हजार कैंपेन वास्तव में हमारे आस-पास से गुम उन महिलाओं को तलाशने की पहल है जो हमें बाजारों में,बस स्टॉप पर,स्कूल-कॉलजे और नौकरियों में नही दिखती हैं।वो हमें घरों,खेत-खलियानों में काम करती दिखती है लेकिन इन जगहों पर नही दिखती है।हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारे आस-पास जितनी अधिक महिलाएं होगीं यह दुनिया उनके लिए उतनी ही सुरक्षित होगी।

उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से हम हरियाणा के चार जिलों सोनीपत,पानीपत,रोहतक और झज्जर में लिंगभेद व लिंग चयन के खिलाफ विभिन्न माध्यमों से जागरुकता लाने का प्रयास कर रहे हैं।हमने इस दौरान नुक्कड़ नाटक 'बदल रहा घमंडी',150 स्कूलों के स्टूडेंट,टीचर और प्रिंसिपल के साथ मिल कर बनाये गए यूथ क्लब 'तारों की टोली' के माध्यम से 2 हजार से अधिक युवाओं को इस मुद्दे से जोड़ कर माहौल बदलने का प्रयास किया है।वहीं हमने 6 हजार से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आंगनवाड़ी वर्कर, आशा,एनम को भी प्रशिक्षित किया है।इसके साथ ही 50 हजार से अधिक लोगों तक हम कम्युनिटी मोबलाइजेशन के माध्यम से पहुंचे हैं।मिशन हजार अभियान भी हमारे इसी प्रयास का हिस्सा है।

रोहतक के कार्यक्रम संयोजक रोकी कुमार ने कहा कि लिंग भेद व लिंग चयन को रोकने में युवाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।हमें उम्मीद है कि युवा अपनी जिम्मेदारी को समझेगें और इस अभियान को और आगे लेकर जाएंगे।

कार्यक्रम में जूडो के लिए अर्जुन आवार्ड पाने वाली पहली महिला पूनम चोपड़ा,पुरूषों का खेल माने जाने वाली कुश्ती में अपना लोहा मनवा चुकी सुमन कुंडू और साक्षी मलिक,कबड्डी में विश्व कप में बेस्ट प्लेयर रह चुकी बतेरी और रेनू,बस चला कर नाम कमाने वाली रितु शर्मा और राजबाला,पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर काम करने वाली मुक्ता विश्नोई,किसानी का काम करने वाली सुनीता और पिछले 40 सालों से बाइक चलाने वाली सरोज ने भी आये हुए लोगों के साथ अपने अनुभव साझा किए और लिंग भेद व लिंग चयन को रोकने के लिए उन्हे प्रेरित किया।

इस मौके पर नगाड़ा और नुक्कड़ नाटक बदल रहा घमंडी के माध्यम से लोगों को लिंग भेद व लिंग चयन के बारे में जागरुक किया गया।इसके साथ ही आये हुए अतिथियों को सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरषों ने हिस्सा लिया।जिसमें आशा वर्कर,एएनएम और अन्य स्वंयसेवी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

'ब्रेकथ्रू' महिला अधिकारों को लेकर देश के अन्य हिस्सो में भी काम कर रहा है।उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में **'घरेलू हिंसा'** के मुद्दे पर हम अपने राइट्स एडवोकेट,प्रशिक्षण कार्यक्रमों,अन्य संस्थाओं के साथ साझेदारी करके व सामुदायिक रेडियों के माध्यम से समुदाय को जागरुक करने का प्रयास कर

रहे हैं। इसके अलावा झारखंड और बिहार में भी हम **'बाल विवाह'** के मुद्दे पर काम कर रहे हैं जहां हमने जुल्म सहने वालों का थियेटर पद्ति पर आधारित नाटक चंदा पुकारे,मोबाइल वीडियो वैन,स्कूलों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को बाल विवाह के मुद्दे पर जागरुक करने का काम करते हैं।इसके साथ ही हाल ही में हमने वोडाफोन फाउंडेशन के साथ मिलकर **'सेल्फी फॉर स्कूल'** कैंपेन दिल्ली,मुबंई और कर्नाटक में चलाया था जिसके माध्यम से हमने 58 हजार लड़कियों को स्कूल भेजने में सहयोग किया।

ब्रेकथ्रू के बारे में :-

ब्रेकथ्रू एक मानवधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों पर होने वाली हिंसा और भेदभाव को मिटाने के लिए काम करती है।

कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक एसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।

हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं। उसे दुनिया भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक और जरूरी बना रहे हैं।इस सबके साथ हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को विस्तृत प्रशिक्षण भी देते हैं जिससे एक नयी ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

विनीत त्रिपाठी / रोकी कुमार
09792267809/09467730695
ब्रेकथ्रू